हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 06 देहरादून, बुधवार, 21 जून, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने उत्तराखंड को बताया दिल के करीब, सीएम धामी को दी शाबाशी

3

पुलिस विभाग को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 21 जून , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कोर्ट रोड़, देहरादून स्थित नव निर्मित सरदार पटेल भवन का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने नवनिर्मित भवन का निरीक्षण कर विभिन्न जानकारियां प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने 112 कंट्रोल रूम, स्टेट वीडियो सर्विलेंस सेंटर का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड पुलिस की ई-बीट एप्प, उत्तराखंड के नागरिकों हेतु सी.ई.आई.आर सेवा पोर्टल का शुभारंभ भी किया। आरक्षी नागरिक पुलिस, अन्तः कक्ष प्रशिक्षण विषय पुस्तिका का विमोचन भी मुख्यमंत्री द्वारा किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भवन के लोकार्पण के पश्चात अब पुलिस विभाग को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पडेग़ा। डायल 112 का क्रियान्वयन भी भवन से किया जा रहा है। जिससे आम लोगों की शिकायतों एवं समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा सकेगा। राज्य सरकार पुलिस कार्मिकों के कल्याण तथा उनकी आवासीय एवं अनावासीय सुविधाओं की पूर्ति के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। हमने विगत वर्ष की तुलना में इस वर्ष आवासीय एवं अनावासीय भवनों के निर्माण हेतु धनराशि में बढोत्तरी करते हुये 45 करोड़ का प्राविधान किया है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि ई-बीट एप्प को पुलिस एवं आम जनता से सम्बन्धित विभिन्न सेवाओं के ऑनलाइन समाधान, कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने एवं पुलिस कार्यप्रणाली को पेपरलेस बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। उन्होंने कहा राज्य सरकार उत्तराखंड पुलिस के विकास हेतु भविष्य में भी पर्याप्त बजट उपलब्ध कराएगी तथा केन्द्रीय योजनाओं से भी पुलिस विभाग को अधिकतम बजट उपलब्ध कराने का प्रयास करेगी। सरकार उत्तराखण्ड पुलिस को स्मार्ट पुलिस बनाने की ओर अग्रसर है। हम पुलिस को और अधिक सशक्त एवं संवेदनशील, तकनीकी रूप से दक्ष बनाना चाहते हैं। राज्य सरकार पुलिस जवानों को आधुनिक उपकरण एवं शस्त्र उपलब्ध कराने के साथ-साथ कार्यालयों को भी हाईटेक किये जाने हेतु प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि वर्तमान में राज्य में चारधाम यात्रा गतिमान है। जिसमें देश-विदेश से लाखों संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। पुलिस द्वारा चारधाम यात्रा को बेहतरीन तरीके से संचालित किया जा रहा है। राज्य सरकार और पुलिस चारधाम यात्रा को आमजन के लिये सुगम व सुरक्षित बनाये रखने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुरूप हम उत्तराखंड पुलिस को एक आधुनिक और स्मार्ट पुलिस बल बनाने के लिए निरंतर कार्य करे रहे हैं। इस संकल्प को पूर्ण करने में सभी जवान और अधिकारियों का साथ भी जरूरी है। उन्होंने कहा सम्पूर्ण देश में उत्तराखण्ड राज्य की पुलिस ने मित्रता, सेवा एवं सुरक्षा के रूप में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है। अपने अथक प्रयासों से इस गौरवशाली सेवा को सुशोभित कर उत्तराखंड पुलिस की कर्तव्यनिष्ठ और मित्र पुलिस की छवि को हमेशा बरकरार रखेंगे।

ई-बीट एप्प, उत्तराखंड के नागरिकों हेतु सी.ई.आई.आर सेवा पोर्टल का शुभारंभ

अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने कहा कि सरकार निरंतर स्मार्ट पुलिस के मंत्र पर काम कर रही है। बीते वर्षों में पुलिस को आधुनिकता से जोड़ने के लिए कई कार्य हुए हैं। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में नवीन भवनों का निर्माण कार्य हो रहा है जिसमें उसकी गुणवत्ता और समयावधि का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। डीजीपी अशोक कुमार ने कहा कि सरदार पटेल भवन के लोकार्पित होने से उत्तराखंड पुलिस को एक बहुउद्देशीय कार्यालय भवन मिला है। सरकार पटेल भवन में परिक्षेत्रीय कार्यालय के अतिरिक्त यातायात निदेशालय, एस०डी०आर०एफ० प्रशिक्षण, अग्निशमन एवं आपात सेवा आदि कार्यालय शिफ्ट किये गये हैं। जिसमें लगभग 250 अधिकारी एवं कर्मचारी कार्यरत हैं। इस दौरान कार्यक्रम सांसद माला राज्यलक्ष्मी शाह, विधायक खजान दास, अपर पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

उत्तराखंड में 5 दिन मौसम पड़ेगा भारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 21 जून , उत्तराखंड में अगले कुछ दिनों का मौसम राज्य पर भारी पड़ने की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र, देहरादून ने पूर्वानुमान जारी कर राज्य के जनपदों में 22 जून तक तेज हवाओं के साथ भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

इस दौरान मौसम विभाग ने विशेष एहतियात बरतने की सलाह भी दी है।राज्य मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून द्वारा जारी पांच दिवसीय मौसम पूर्वानुमान के मुताबिक, 18 और 19 जून को राज्य के हरिद्वार, उधम सिंह नगर, देहरादून पौड़ी और नैनीताल जिले में कहीं-कहीं गर्जन के साथ बिजली चमकने और 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना जताई गयी थी लेकिन फिलहाल मौसम की नरमी का इंतज़ार ही किया जा रहा है है। राज्य के

नैनीताल, बागेश्वर, चमोली और पिथौरागढ़ जिले में कहीं-कहीं भारी वर्षा की भी संभावना है, जिसको लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, 22 जून को भी राज्य के जनपदों में गरज चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है, वहीं देहरादून टिहरी और पौड़ी जिले में कहीं-कहीं भारी वर्षा की संभावना है, जिसको लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

5 या 10 नहीं इतने दिन बंद रहने वाले हैं बैंक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 21 जून , जुलाई 2023 में दूसरे और चौथे शनिवार और रविवार को मिलाकर देश भर के बैंक करीब 15 दिन बंद रहेंगे. प्राइवेट और सरकारी दोनों सेक्टर के बैंक हर महीने पहले और तीसरे शनिवार को खुले रहते हैं.

भारतीय रिजर्व बैंक की गाइडलाइन के अनुसार, बैंक सभी सार्वजनिक अवकाशों पर बंद रहेंगे और कुछ क्षेत्रीय अवकाश राज्य-स्पेसिफिक हैं. हालाँकि, क्षेत्रीय अवकाश संबंधित राज्य सरकारों द्वारा तय किए जाते हैं. साथ ही, बैंकिंग रेगूलेटर ने बैंकों के लिए रविवार को बंद रहना अनिवार्य किया हुआ है.जुलाई के महीने में शनिवार और रविवार को छोड़ दिया जाए तो कुल आठ अवकाश हैं. जिसकी शुरुआत 5 जुलाई से गुरु हरगोबिंद जी के जन्मदिन से शुरू होगी और 29 जुलाई को मुहर्रम की छुट्टी से खत्म हो जाएगी. ये छुट्टियां कुछ राज्यों को छोड़कर

भारत के सभी बैंकों पर लागू होंगी.

वहीं दूसरी ओर 7 अवकाश शनिवार और रविवार से जुड़े हुए हैं. जुलाई के महीने में 5 रविवार होंगे और दो शनिवार की छुट्टियां रहने वाली हैं. ऐसे जुलाई के महीने में कुल 15 अवकाश रहने वाले हैं. अगर किसी को बैंक में काफी जरूरी काम है तो अपना टाइम बैंकों के अवकाश के हिसाब से बनाना होगा. वैसे एटीएम, कैश डिपॉजिट, ऑनलाइन बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग हमेशा की तरह काम करते रहेंगे.

जानिए कांवड़ यात्रा कब से होगा शुरू, क्या है ख़ास संयोग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 21 जून , देवभूमि उत्तराखंड के लिए महाआयोजन होता है शिवभक्तों का समागम यानी कांवड़ यात्रा , लिहाज़ा सरकार और प्रशासन भी ऐसे महोत्सव के लिए ख़ास तैयारी करती है। पुष्प वर्षा हो , रास्तों पर सुविधाएं देना हो या सुरक्षा की पुख्ता तैयारी , धामी सरकार ने कमर कस ली है। उत्तराखंड पुलिस ने कई राज्यों के साथ तालमेल बनाते हुए अत्याधुनिक तकनीकी पर फोकस करते हुए कई निर्देश और नियक कायदे बनाये हैं। मकसद है कांवड़ यात्रियों को कोई असुविधा न हो।

सावन मास आरंभ होते ही कांवड़ यात्रा भी प्रारंभ हो जाता है, जो कि पूरे सावन खत्म होने तक चलेगा। बता दें कि इस साल सावन दो महीने का होगा। सावन 4 जुलाई 2023 से शुरू हो रहा है, जो कि 31 अगस्त 2023 तक रहेगा। कांवड़ यात्रा का समापन 31 अगस्त को होगा। सावन में कावंड़ यात्रा का विशेष महत्व होता है। हर साल सावन में कांवड़िए कांवड़ लेकर शिव मंदिरों में जाते हैं और महादेव को जल अर्पित करते हैं। झारखंड के बैद्यनाथ धाम समेत अन्य प्रसिद्ध शिव मंदिर में पूरे सावन कांवड़ियों की भीड़ रहती है। दूर-दूर से शिव भक्त कांवड़ लेकर महादेव के दरबार में पहुंचते हैं।

सावन का पहला सोमवार व्रत भक्तों के लिए काफी मायने रखता है। इस साल सावन के पहले सोमवार पर खास योग बन रहे हैं। सावन का पहला सोमवार का व्रत 18 जुलाई 2023 को रखा जाएगा और इसी दिन रवि योग का संयोग बन रहा है। धर्म शास्त्र में रवि योग को बहुत ही शुभ माना गया है। माना जाता है कि इस योग में की गई पूजा-पाठ और मंत्रों का उच्चारण करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है। वहीं रवि योग में शिव परिवार की उपासना करने से घर में सुख-समृद्धि, संपन्नता और खुशहाली आती है। तो आप भी अगर कांवड़ यात्रा पर निकलने की योजना बना रहे हैं तो नियम कानून और संयम के साथ अपनी धार्मिक यात्रा पूरी करें।

संक्षिप्त खबरें

भाजपा कार्यकर्ताओं ने पीडब्लूडी कार्यालय को घेरा

देहरादून। ब्रह्मपुरी वार्ड में विकास कार्य रोकने से भडक़े भाजपा कार्यकर्ताओं ने पीडब्ल्यूडी कार्यालय में प्रदर्शन किया। जेई के खिलाफ प्रदर्शन कर कार्यालय का गेट बंद कर दिया। भाजपाईयों जेई को हटाने की मांग की। इस मौके पर पार्षद सतीश कश्यप ने कहा कि लोगों का गुस्सा जेई के खिलाफ था, लेकिन जेई उनके पहुंचने से पहले ही कार्यालय से चले गए। आरोप लगाया कि पूरे शहर में जिला योजना के काम हो चुके हैं, लेकिन ब्रह्मपुरी वार्ड में काम नहीं होने दिए जा रहे हैं। वार्ड के जो विकास से संबंधित प्रस्ताव हैं, उनको दरकिनार किया जा रहा है। 15 दिन के भीतर सभी रुके हुए काम शुरू करने के आश्वासन पर भाजपाई माने। साथ ही चेताया कि काम शुरू नहीं हुए तो बड़ा आंदोलन करेंगे। प्रदर्शन करने वालों में भाजपा के मंडल अध्यक्ष संजीव सिंघल, महामंत्री आशीष गिरी, महिला मोर्चा की मंडल अध्यक्ष नीतू रावत, युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष सागर यादव, नीरा कंडारी, नीरज यादव, गुलनाज खान, भावना भट्ट, सुनीता पाल, सुनीता शर्मा, पानो देवी, विजय कुमार, हरी किशोर, गौरव बुडाकोटी, अल्पसंख्यक मोर्चा के महामंत्री सोनू कुमार, वसीम खान, वरुण वालिया, नरेश यादव, रवि कश्यप, पुष्पराज ध्यानी, विंदर कश्यप, नाथीराम धीमान, सौरभ कुमार, अंकुर शर्मा, रवि कुमार, सहदेव प्रसाद, विजय जयपुरिया, शिव प्रसाद नौटियाल, राजाराम, वेद पाल, अनुज त्रिपाठी, सौरभ दुबे, अंकित सक्सेना, रोशन बहादुर थापा, कुसुम वर्मा, गणेश सिंह आदि मौजूद रहे।

अपराधिक घटनाओं को लेकर जताई चिंता

देहरादून। भैरव सेना के कार्यकर्ता मंगलवार को जिला अध्यक्ष सतीश जोशी के नेतृत्व में उत्तराखंड में हो रही अपराधिक घटनाओं के मुद्दे को लेकर नारेबाजी करते हुए जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे। इस दौरान उन्होंने जिलाधकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष संदीप खत्री, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अनीता थापा, प्रदेश अध्यक्ष सागर जयसवाल ने बिना सत्यापन के रह रहे लोगों का सत्यापन करवाने की मांग की। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के प्रांत महासचिव देवेन्द्र डोभाल ने कहा की घुसपैठ को अवैध दस्तावेजों के आधार पर सहयोग करने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए। इस दौरान सरोज शाह, सुजाता रावत, पुष्पा थापा, करण शर्मा, संजय पंवार, गणेश जोशी, गौरव ठाकुर आदि मौजूद थे।

भाजपा ने चलाया जनसंपर्क अभियान

देहरादून। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा ने मंगलवार को मसूरी में मतदाता सूची में पहली बार नाम दर्ज कराने वाली युवतियों से संवाद किया। उन्हें सरकार द्वारा संचालित की जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। महिला मोर्चा अध्यक्ष गीता कुमाईं ने बताया कि पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग करने वाली युवतियों से संवाद किया गया। उन्होंने कहा कि भ्रूण हत्या को रोकने में भाजपा सरकार द्वारा किए गए प्रयासों के बाद आज महिलाओं के लिंगानुपात में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी कल का भविष्य है और देश के विकास में उनका अहम योगदान होगा। इस अवसर पर लक्ष्मी शाह ने बताया कि किस आधार पर अपने मताधिकार का प्रयोग करना है इसी को लेकर आज गोष्टी में उन्होने अपने विचार रखे साथ ही भाजपा सरकार द्वारा महिलाओं के लिए विभिन्न योजना स्वचालित की जा रही हैं जिनका लाभ महिलाओं को मिल रहा है आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है।

बिना हेलमेट पहने स्टार्ट भी नहीं होंगे बाइक स्कूटर, आ रही खास टेक्नॉलजी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 21 जून , ओला इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की सवारी को सुरक्षित बनाना चाहती है। भारत में बहुत से लोग बिना हेलमेट पहने बाइक और स्कूटर चलाते हैं, जो सुरक्षित नहीं है। लेकिन ओला इलेक्ट्रिक इसे बदलना चाहती है। वे एक ऐसा सिस्टम लेकर आए हैं जिसमें आप हेलमेट लगाए बगैर बाइक नहीं चला पाएंगे। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि हेलमेट पहनने से आपके सिर की सुरक्षा होती है और दुर्घटना होने पर आप सुरक्षित रहते हैं। ओला इलेक्ट्रिक इसके लिए एक बड़ा और महत्वपूर्ण कदम उठा रही है।

ओला इलेक्ट्रिक में एक खास सिस्टम है जो यह बता सकता है कि किसी ने हेलमेट पहना है या नहीं। वे फोटो लेने के लिए स्मार्ट कैमरों का इस्तेमाल करते हैं और देखते हैं कि चलाने वाले के सिर पर हेलमेट है या नहीं। यह सूचना वाहन के भीतर एक विशेष कंप्यूटर जिसे व्हीकल कंट्रोल यूनिट कहते हैं, को भेजी जाती है।

व्हीकल कंट्रोल यूनिट फिर मोटर कंट्रोल यूनिट नाम के एक अन्य महत्वपूर्ण कंप्यूटर को सूचना भेजती है। मोटर कंट्रोल यूनिट बहुत चालाक है और यह तय करती है कि वाहन को चलना शुरू करना चाहिए या वहीं खड़ा रहना चाहिए क्योंकि चालक ने हेलमेट नहीं पहना।

अगर ओला इलेक्ट्रिक के इलेक्ट्रिक वाहनों में विशेष हेलमेट डिटेक्शन सिस्टम देखता है कि सवार ने सवारी करते समय हेलमेट नहीं पहना है, तो वाहन अपने आप रुक जाएगा और पार्क मोड में चला जाएगा। यह वास्तव में एक बढ़िया फीचर है ! वाहन के रुकने के बाद, डैशबोर्ड पर सवार को हेलमेट पहनने की याद दिलाने वाला एक संदेश दिखाई देगा। वाहन तब तक चलना

शुरू नहीं करेगा जब तक कि सिस्टम यह न देख ले कि सवार ने हेलमेट पहन रखा है। सिस्टम यह सुनिश्चित करने के लिए जांच करता रहता है कि राइडर पूरी यात्रा के दौरान सुरक्षित रहे।

दोपहिया वाहन बनाने वाली कंपनी TVS ने भी सवारों को हेलमेट रिमाइंडर सिस्टम की घोषणा की थी। वे ओला इलेक्ट्रिक की तरह ही कैमरों का भी इस्तेमाल करते हैं। जब कोई टीवीएस वाहन पर हेलमेट नहीं पहनता है, तो इसे लगाने के लिए एक वॉर्निंग मैसेज प्राप्त होता है। लेकिन ओला इलेक्ट्रिक में इससे ज्यादा चीजें होती हैं। अगर कोई ओला इलेक्ट्रिक वाहन पर हेलमेट नहीं पहनता है, तो वाहन स्टार्ट भी नहीं होगा। यह तब तक लॉक रहता है जब तक कि राइडर हेलमेट नहीं पहन लेता और सुरक्षा नियमों का पालन नहीं करता।

ओला इलेक्ट्रिक और टीवीएस यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठा रहे हैं कि सवारियां सड़कों पर सुरक्षित रहें। वे सवारी करते समय लोगों को हेलमेट पहनने की याद दिलाने के लिए चतुर सिस्टम लेकर आए हैं। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि हेलमेट हमारे सिर की रक्षा करता है और हमें सुरक्षित रखता है। मुमकिन है कि आने वाले समय में अन्य कंपनियां भी यही सिस्टम लेकर आएं। इसका मतलब है कि भविष्य में हेलमेट पहनना हर राइडर की यात्रा का एक बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा होगा।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने उत्तराखंड को बताया दिल के करीब, सीएम धामी को दी शाबाशी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 21 जून , केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज देश रक्षा सहित अन्य क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बन रहा है। टैंक, तोप, गोला, बारूद जैसे महत्वपूर्ण रक्षा उपकरण 25 देशों को निर्यात किये जा रहे हैं। 16 हजार करोड़ का निर्यात इस क्षेत्र में किया जा चुका है। वह दिन दूर नही जब हम रक्षा से सम्बन्धित सामग्री भारत में ही बनाकर दुनिया को इसका निर्यात करेंगे। निजी क्षेत्र के उद्यमियों को प्रोत्साहित कर उनसे भी सामग्री क्रय की जा रही है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि उत्तराखण्ड से उनका गहरा लगाव रहा है। उत्तराखण्ड को देवभूमि वीरभूमि शौर्य व सैन्य भूमि की संज्ञा देते हुए उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड छोटा राज्य होने के बावजूद यहा के समग्र विकास के प्रति केन्द्र सरकार का दृष्टिकोण स्पष्ट है। उन्होंने कहा कि राज्य के समग्र विकास की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में केदारनाथ-बद्रीनाथ धाम में 1300 करोड़ के पुनर्निर्माण कार्य, ढाई हजार करोड़ रुपए की लागत से गौरीकुण्ड-केदारनाथ और गोविंदघाट-हेमकुण्ट साहिब रोपवे का कार्य, कुमायूं के पौराणिक मंदिरों को भव्य बनाने के लिये मानसखण्ड मंदिर माला मिशन का कार्य, पूरे राज्य में होम स्टे को बढ़ावा देने, 16 ईको टूरिज्म डेस्टिनेशन का विकास, उत्तराखंड में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, उधमसिंह नगर में एम्स का सेटलाइट सेंटर बनाने, करीब 2 हजार करोड़ रुपए की लागत वाली टिहरी लेक डेवलपमेंट परियोजना, ऋषिकेश-हरिद्वार का एडवेंचर टूरिज्म और योग की राजधानी के रूप में विकास, टनकपुर-बागेश्वर रेल लाइन की परियोजना के साथ ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन पहाड़ में रेल के सपने की परिकल्पना को पूर्ण करने जा रही है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गतिशील नेतृत्व में विश्व में भारत का मान सम्मान बढ़ा हैं। अन्तर्राष्ट्रीय मंचो पर भारत की बात को गंभीरता से सुना जा रहा है। विश्व के देशों में प्रधानमंत्री को मिलने वाला सम्मान सभी देशवासियों का सम्मान है। विदेशी विशेषज्ञ प्रधानमंत्री श्री मोदी को अद्भूत कार्य क्षमता शक्तिवाला व्यक्तित्व मान रहे है। विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्र में भी देश का सम्मान बढ़ा है। हमारा जवान देश की सीमा पर राष्ट्रीय स्वाभिमान की भावना के साथ निडरता से खड़ा रहता है।

पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रबुद्धजनों के सम्मेलन का मूल उद्देश्य है कि प्रबुद्धजनों के ज़रिये जनता तक सरकार और संगठन की बात को पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में आज भारत एक शक्तिशाली और सुरक्षित राष्ट्र बन चुका है। सेना का मनोबल बढ़ाने और सेना को आधुनिक बनाने के साथ ही आत्मनिर्भर बनाने के लिए अभूतपूर्व कार्य किए जा रहे हैं। सेना को मजबूत बनाना आज के समय की मांग है जिसके लिए रक्षा मंत्री सेना में हर स्तर पर क्रांतिकारी बदलाव लाने का प्रयास कर रहे है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार द्वारा आज प्रदेश के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने और राज्य को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अनेकों कार्य किये जा रहे हैं। प्रदेश में हर स्तर पर कनेक्टिविटी को सुधारा जा रहा है, उद्योगों के विकास पर बल दिया जा रहा है और भविष्य की आवश्यकताओं को केंद्र में रख कर नीतियां बनाई जा रही हैं।

मुख्यमंत्री धामी अचानक पहुंचे दून चिकित्सालय, व्यवस्था का लिया जायज़ा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 21 जून , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून स्थित राजकीय दून मेडिकल कॉलेज चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने चिकित्सालय परिसर में फैली गंदगी पर नाराजगी जाहिर करते हुए अधिकारियो को अस्पताल परिसर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने के निर्देष दिए। मुख्यमंत्री ने अस्पताल में आए मरीजों का हालचाल जान, व्यवस्थाओं से संबंधित जानकारी ली। उन्होंने मरीजों के तीमारदारों से बातचीत कर अस्पताल में मौजूद संसाधनों, डॉक्टरों की उपलब्धता, दवाइयों की उपलब्धता, एवं खाने-पीने की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अस्पताल में मौजूद मरीजों के लिए बन रहे खाने को स्वयं जाकर देखा। उन्होंने कहा मरीजों को मिलने वाले भोजन में किसी तरह की कोई कमी नहीं होनी चाहिए। सभी तरह के पोषक तत्व भोजन में पाए जाए, इसका भी विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने रजिस्ट्रेशन डेस्क में जाकर प्रतिदिन आने वाले मरीजों की संख्या के बारे में जाना। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि स्वास्थ संबंधित जांच के लिए अस्पताल आए मरीजों को लंबी लाइन में ना लगाना पड़े इसके लिए रजिस्ट्रेशन डेस्क की संख्या में भी बढ़ोतरी की जाए।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इमरजेंसी वार्ड में जाकर वहां मौजूद डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ, से भी वार्ता की। उन्होंने अस्पताल में मौजूद डॉक्टरों की उपस्थिति के बारे में भी जानकारी ली। मरीजों

के इलाज में इस्तेमाल हो रही विभिन्न आधुनिक मशीनों के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने कहा अस्पताल में यह व्यवस्था भी सुनिश्चित किया जाए कि मरीजों को बेवजह घूमना ना पड़े। एक ही स्थान पर मरीज अधिक से अधिक लाभ लें।

शौक से खाते हैं लीची तो जान लें ये बात, और इसे खाने का सही समय

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 21 जून : लीची उन फलों में आती है, जिसके मौसम का बेसब्री से इंतजार किया जाता है। मीठी, रस से भरी और टेस्टी लीची भारत में काफी पसंद की जाती है। इसे न सिर्फ फल के रूप में खाया जाता है, बल्कि इसका इस्तेमाल डेजर्ट में भी खूब होता है। साथ ही कॉकटेल्स, आइसक्रीम में भी लीची खूब पसंद की जाती है। गर्मियों में आने वाली लीची में 83 फीसदी पानी और 16.5% कार्ब्स होता है। यानी 100 ग्राम लीची में प्रोटीन, कार्ब्स, चीनी, फाइबर और फैट्स होते हैं। तो आइए जानते हैं कि लीची खाने के फायदे और नुकसान क्या है। साथ ही इसे खाने का बेस्ट टाइम क्या है। कुछ लोग लीची से एलर्जिक भी हो सकते हैं, यानी इसे खाते ही उनकी स्किन पर रैशेज़, होंठों और गले में सूजन और दस्त आदि जैसी परेशानियां शुरू हो सकती हैं। अगर आप जरूरत से ज्यादा लीची खा लेते हैं, तो इससे हार्मोनल असंतुलन, बुखार, हेमरेज, आंतरिक रक्तस्राव और संक्रमण हो सकता है।एक्सपर्ट्स के अनुसार, अगर आपको लीची खानी है, तो इसे सुबह के नाश्ते या फिर दिन के खाने के बाद ही खाएं।एक दिन में 10 से 12 लीची खाना आपकी सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है।

ब्यूरो रिपोर्ट 21 जून : लीची उन फलों में आती है, जिसके मौसम का बेसब्री से इंतजार किया जाता है। मीठी, रस से भरी और टेस्टी लीची भारत में काफी पसंद की जाती है। इसे न सिर्फ फल के रूप में खाया जाता है, बल्कि इसका इस्तेमाल डेजर्ट में भी खूब होता है। साथ ही कॉकटेल्स, आइसक्रीम में भी लीची खूब पसंद की जाती है। गर्मियों में आने वाली लीची में 83 फीसदी पानी और 16.5% कार्ब्स होता है। यानी 100 ग्राम लीची में प्रोटीन, कार्ब्स, चीनी, फाइबर और फैट्स होते हैं। तो आइए जानते हैं कि लीची खाने के फायदे और नुकसान क्या है। साथ ही इसे खाने का बेस्ट टाइम क्या है।गर्मियों में आने वाली लीची में 83 फीसदी पानी और 16.5% कार्ब्स होता है।

ऊर्जा विभाग में ऊर्जा भर रहे सीएम धामी - जल्द मिलेंगे स्मार्ट प्रीपेड मीटर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जल्द ही राज्य में स्मार्ट प्रीपेड मीटरिंग की व्यवस्था का शुभारम्भ करेंगे। यूपीसीएल द्वारा जानकारी दी गई कि राज्य में वर्ष 2025 तक लगभग 16 लाख उपभोक्ताओं पर स्मार्ट प्रीपेड मीटरिंग व्यवस्था लागू हो जाएगी। इसके साथ ही इनर्जी एकाउनिंटंग के लिये 59212 वितरण परिवर्तक एवं 2602 पोषकों पर स्मार्ट मीटरिंग की स्थापना का भी लक्ष्य है।

5 शहरों हरिद्वार, रुड़की, काशीपुर, रुद्रपुर एवं हल्द्वानी में स्काडा तथा डीएमएस की स्थापना की जाएगी। वर्ष 2025-26 तक 35 नए 33/11केवी सब स्टेशनों का निर्माण किया जाएगा। इसके साथ ही वर्ष 2025-26 तक 96 33/11 केवी सबस्टेशनों का सुदृढीकरण किया जाएगा। इसी अवधि में देहरादून शहर में 243 किमी एचटी लाइन एवं 152 किमी एलटी लाइन का भूमिगति-करण, हल्द्वानी शहर में 8 किमी 33 केवी लाइन एवं 80 किमी 11 केवी लाइन का भूमिगतिकरण तथा अन्य सर्किलों में 108 किमी 33 केवी लाईन एवं 142 किमी 11 केवी लाईन का भूमिगतिकरण किया जाएगा।

लखवाड़ जल विद्युत परियोजना की प्रगति का विशेष संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री ने सम्बन्धित कार्यदायी संस्था को समयबद्धता से कार्य करने हेतु अपनी स्थिति स्पष्ट करने के सख्त निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने यूजेवीए-नएल को वर्ष 2024 तक सुरिनगाड, मद-महेश्वर तथा 17 मेगावाट की सोलर प्रोजेक्टस के अपने तय लक्ष्य को पूरा करने तथा वर्ष 2027 तक गुप्तकाशी तथा 93 मेगावाट के सोलर प्रोजेक्टस, वर्ष 2030 तक लखवाड़, सिकारी भ्योल, त्यूनी प्लासू, पैनागाड, जिम्बागाड, सेला उंथिंग, अराकोट त्यूनी प्रोजेक्टस को पूरा करने के अपने लक्ष्य पर मिशन मोड पर कार्य करने के निर्देश दिए हैं।

राज्य में 1 से 2 वर्षो में सुदूरवर्ती क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थलों पर 3000 सोलर स्ट्रीट लाइट संयत्रों को लगाने, राज्य के विभिन्न सरकारी भवनों पर 2000 किलोवाट के नेट मीटरिंग आधारित ग्रिड कनेक्टेड सोलर पावर प्लान्ट संयत्रों की स्थापना, प्रदेश के सरकारी संस्थानों, हॉस्पिटल, हॉस्टल, कैन्टीन एवं मैस में स्टीम तथा ई-कुकिंग संयत्रों की स्थापना तथा सरकारी भवनों, छात्रावासों आदि में सम्मिलित क्षमता 40000 लीटर प्रतिदिन के सोलर वाटर हीटर संयत्रों की स्थापना का लक्ष्य है।

एमएलए मुन्ना सिंह चौहान ने "वार्तालाप" में गिनाई केंद्र की उपलब्धियां

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

माउंट द्रौपदी का डंडा- II में हाल ही में हिमस्खलन त्रासदी - जिसमें 27 युवा पर्वतारोही मारे गए और दो अन्य लापता हो गए - ने उत्तरकाशी जिले में साहसिक खेल क्षेत्र को एक बड़ा झटका दिया है। उद्योग के पेशेवरों का दावा है कि ट्रेकिंग और पर्वता-रोहण गतिविधियों के लिए एक केंद्र, पहाड़ी जिमाउंट द्रौपदी का डंडा- II में हाल हीवि-कासनगर , 21 जून , भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के देहरादून स्थित पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) के तत्वाधान में खण्ड विकास कार्यालय, विकासनगर, देहरादून में क्षेत्रीय मीडिया कार्यशाला "वार्तालाप" का आयोजन किया गया. जिसका विषय 'सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 9 साल' है। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक मुन्ना सिंह चौहान ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यशाला में जिले के दूर-दराज से आए प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रेस प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया गया। कार्यशाला में कृषि, स्वास्थ्य, ग्राम्य विकास एवं अभिकरण, पूर्ति विभाग, पीएमजीएसवाई आदि विभागों ने भारत सरकार द्वारा संचालित केंद्रीय योजनाओं की जानकारी मीडिया को दी एवं संवाद स्थापित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुन्ना सिंह चौहान ने मीडिया को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने जन केंद्रित शासन की दिशा में एक बदलाव देखा है. उन्होंने कहा कि सरकार के 9 साल प्रधानमंत्री के परफॉर्म, रिफार्म और ट्रांसफॉर्म के मंत्र पर आधारित रहे हैं. उन्होंने कहा कि वर्तमान में सरकार की ऐसी तमाम योजनाएं हैं जिनसे ग्रामीण और सुदूरवर्ती क्षेत्र में रहने वाले लोग लाभान्वित हो रहे हैं. उन्होंने कहा कि डिजिटल भुगतान में हम दुनिया में सबसे आगे हैं एवं वर्ष 2027 तक भारत को टॉप इकोनामी बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया.

उन्होंने कहा कि बहुत ही जल्द भारत विकसित देशों में शामिल होगा. कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि पद्मश्री प्रेमचन्द्र शर्मा ने जैविक खेती से जुड़े अनुभव साझा करते हुए इसके लाभ बताये. उन्होंने कहा कि सभी को अपने घर और आस-पास किचन गार्डन अवश्य बनाना चाहिए. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपर महानिदेशक, पी.आई.बी., देहरादून के विजय कुमार ने कहा कि केंद्र सरकार का मुख्य उद्देश्य 'जन उपयोगी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाना है. जिसके लिए मीडिया एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की योजनाओं को पीआईबी द्वारा दूर दराज के ग्रामीणों तक मीडिया के माध्यम से पहुंचाया जा रहा है, जो सराहनीय प्रयास है। उन्होंने कहा कि सीमांत जिले के सुदरवर्ती गांव तक व्यापक प्रचार-प्रसार होने से सरकार की योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचेगी। उन्होंने पत्रकारों से अच्छी और प्रेरक ख़बरों के अधिक से अधिक प्रचार प्रसार की अपील की. साथ ही उन्होंने न्यू मीडिया के सकारात्मक प्रयोग पर बल दिया.

कार्यशाला में परियोजना निदेशक डीआरडीए विक्रम सिंह ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण और एनआरएलएम के विषय में बताया. उन्होंने बताया कि देहरादून जिले में कुल 4109 स्वयं सहायता समूह संचालिक हैं. जिनमे हर एक समूह में 10 से 12 सदस्य हैं.कार्यशाला में स्वास्थ्य विभाग, उद्यान, नगर निगम, उद्योग, कृषि, खाद्य विभाग, सेवा योजन, बाल विकास, समाज कल्याण, पशु पालन विभाग के प्रतिनिधि और प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकार उपस्थित रहे।

जीजा नहीं बता पाया पीएम मोदी का नाम सालियों ने तोड़ दी शादी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 21 जून , आप माने या न माने लेकिन खबर गंभीर है। एक युवक की शादी सिर्फ इसलिए टूट गई, क्योंकि वह देश के पीएम का नाम नहीं बता पाया. इसको लेकर दुल्हन के घरवालों ने उसे मंदबुद्धि करार दे दिया. इसी शादी समारोह में शामिल होने के लिए दूल्हा का छोटा भाई भी आया था. दुल्हन के घरवालों ने उसे पकड़ लिया और उससे लड़की से शादी की बात कहने लगे. जब वह नहीं माना तो बंदूक की नोक पर दुल्हन से उसकी शादी करवा दी. यह हैरान करने वाला मामला उत्तर प्रदेश गाजीपुर के सैदपुर का है दूल्हे का नाम शिवशंकर बताया जा रहा है. उसकी शादी बसंत पट्टी की रहने वाली रंजना से तय हुई थी. दोनों के घरवालों ने आपसी सहमति से ये शादी तय की थी. यहां तक कि तिलक समारोह छह महीने पहले ही हो चुका था. शादी की तारीख 11 जून को तय की गई थी. बताया जा रहा है कि शादी की तारीख तय होने के बाद युवक और युवती आपस में बात भी कर रहे थे.

सालियों के सवाल पर दूल्हा हुआ असहज

बेटी की शादी को लेकर पिता लखेदू राम ने भी पूरी तैयारियां कर रखी थीं. घरवालों के साथ दूल्हा बारात लेकर बसंत पट्टी पहुंचा. सभी लोग खुश थे. बारातियों का जमकर स्वागत हुआ. पूरे रस्मो-रिवाज के साथ शिवशंकर का युवती से शादी भी हुई. सुबह में खिचड़ी की एक रस्म होती है. इसी दौरान सालियों ने दूल्हे शिवशंकर से देश के प्रधानमंत्री का नाम पूछ लिया. इस पर दूल्हा असहज हो गया. वह उनके सवाल का उत्तर नहीं दे पाया. इस पर दुल्हन के घरवालों ने उसे मानसिक कमजोर बताते हुए शादी को मानने से इनकार कर दिया.

1988 बैच छत्तीसगढ़ कैडर के दबंग आईपीएस रवि सिन्हा होंगे नए रॉ चीफ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 21 जून , पाकिस्तान के बालाकोट में एयरस्ट्राइक और जम्मू कश्मीर में आर्टिकल 370 हटवाने में हिंदुस्तानी हुकूमत के साथ महत्वपूर्ण भूमिका में हर लम्हा कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी और मौजूदा RAW CHIEF (रॉ प्रमुख) सामंत कुमार गोयल 30 जून को रिटायर हो रहे हैं. इतनी बड़ी उपलब्धियों को 'रॉ' जैसी दुनिया की बड़ी और मशहूर खुफिया एजेंसी के सेवाकाल में अपनी झोली में डालकर जा रहे सामंत कुमार गोयल की ही टक्कर का दूसरा यानी खाली हो रही रॉ चीफ की कुर्सी पर भी बैठने के लिए काबिल अफसर की तलाश लंबे समय से जारी थी. यह नाम निकल कर सामने आया है रवि सिन्हा.

रवि सिन्हा 1988 बैच छत्तीसगढ़ कैडर के दबंग और बेहद सूझबूझ वाले,भारतीय पुलिस सेवा के यानी आईपीएस अधिकारी हैं. आखिर कैसे और क्यों किस काबिलियत के चलते देश के आईपीएस की तमाम भीड़ में से इन्हीं रवि सिन्हा को हिंदुस्तानी हुकमत ने सौंपी है 'रॉ' (Raw Chief) जैसे महत्वपूर्ण खुफिया एजेंसी की जिम्मेदारी ये भी जान लीजिये एन के सूद जो खालिस्तान मूवमेंट और पाकिस्तान, अफगानिस्तान, कनाडा में पल रही भारत विरोधियों ताकतों पर नजर रखने के लिए हिंदुस्तानी हुकूमत द्वारा विशेष रूप से तैनात किए गए थे बतौर रॉ डिप्टी सेक्रेटरी लंदन में. बकौल एन के सूद, "मैं इतनी अहम एजेंसी के प्रमुख के पद की जिम्मेदारी सौंपे जाने वाले अफसर रवि सिन्हा के ऊपर कोई बात करने के काबिल खुद को नहीं समझता हूं. हां, रॉ में फील्ड अफसर से शुरुआत करके डिप्टी सेक्रेटरी के पद से रिटायर होने के चलते अपनी इस सम्मानित एजेंसी के वरिष्ठ के बारे में थोड़ा बहुत जो जानता हूं वही साझा कर सकता हूं."भारत की खुफिया एजेंसी रॉ के अब जो नए प्रमुख या चीफ बनाए जा रहे हैं रवि सिन्हा यह 'ऑपरेशन मैन' के नाम से मशहूर हैं. यह बात चुनिंदा लोगों को ही मालूम है, जो रवि सिन्हा को बेहद करीब से जानते समझते हैं.

हालांकि, जिन लोगों को यह राज मालूम भी होगा उनमें से अधिकांश खुलकर इसका जिक्र कभी नहीं करेंगे, जबकि रवि सिन्हा की यह "ऑपरेशन मैन" की छवि ही उन्हें रॉ के प्रमुख की कुर्सी पर लाकर बिठाने में तुरुप का पत्ता साबित हुई . यह बात मौजूदा हिंदुस्तानी हुकूमत को भी शर्तिया पता होगी क्योंकि 'रॉ' जैसी दुनिया की मशहूर एजेंसी को लीड करना बच्चों का खेल नहीं है."

प्रदेशभर में अधिकारियों की बैठक लेने के साथ साथ जनता दरबार भी लगा रहे कार्यक्रम क्रियान्वयन सचिव दीपक कुमार

देहरादून एयरपोर्ट पर बन रहे हैं 4 नए एयरोब्रिज, ये है शानदार खूबियां

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 20 जून : देहरादून से हवाई यात्रा करने वाले लोगों को बड़ी राहत मिलने वाली है। देहरादून एयरपोर्ट पर 4 नए एयरोब्रिज बनाए जा रहे हैं। एयरोब्रिज का निर्माण कार्य बेहद तेजी से चल रहा है। माना जा रहा है कि इस साल दिसंबर तक सभी एयर ब्रिज बनकर तैयार हो जाएंगे। इससे सबसे बड़ा फायदा ये होगा कि यात्री बिना परेशानी के विमान से टर्मिनल तक आवाजाही कर सकेंगे। आपको बता दें कि अभी फिलहाल जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर कोई भी एयरोब्रिज नहीं है। यात्रियों को फ्लाइट से टर्मिनल तक आने-जाने के लिए बस या पैदल ही चलना पड़ता है। खास तौर पर धूप और बारिश में यात्रियों को बेहद परेशानी होती है।

इसे देखते हुए एयरपोर्ट पर 4 एयरोब्रिज बनने का काम शुरू हुआ। दिसंबर तक इनके तैयार होने के बाद यात्रियों की ये परेशानी दूर हो जाएगी। आपको बता दें कि देहरादून एयरपोर्ट में 460 करोड़ की लागत से नए निर्माण चल रहे हैं। 42776 वर्ग मीटर जगह में एयरपोर्ट का नया टर्मिनल भी बनाया जा रहा है। काफी हद तक इसका काम भी पूरा हो चुका है। टर्मिनल के साथ ही चार नए एयरोब्रिज बनाने का काम भी तेजी से हो रहा है। खास बात ये है कि एयरपोर्ट पर 10 छोटे और 10 बड़े विमानों की पार्किंग बनाने का काम भी तेजी से चल रहा है। आगे जानिए कि एयरोब्रिज कैसे काम करता है। एयरोब्रिज के जरिए हवाई यात्री टर्मिनल से सीधे विमान के अंदर जा सकेंगे। इसके अलावा विमान से सीधे टर्मिनल तक भी आ सकेंगे।

जरा सोचिए कैसा लगेगा कि एयरपोर्ट पर एक साथ चार एयरोब्रिज बनेंगे। इसके बाद एयरपोर्ट पर खड़े विमानों से यात्री सीधे टर्मिनल तक आवाजाही कर सकेंगे। यानी कि यात्रियों को जमीन पर उतरना ही नहीं पड़ेगा। वक्त की बचत होगी और यात्रियों को धूप और बारिश की परेशानी भी नहीं होगी। खास बात ये है कि एयरोब्रिज सिर्फ बड़े विमानों तक आवाजाही सुनिश्चित करेगा। छोटे विमानों के लिए एयरोब्रिज काम नहीं करेगा। छोटे विमानों के लिए पहले जैसी व्यवस्था रहेगी। आपको यहां ये भी बता दें कि देश के चुनिंदा एयरपोर्ट पर ही एयरोब्रिज की सुविधा है।

अजब गजब : बीवी से गद्दारी की, तो नौकरी से निकाल देती है ये कंपनी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 21 जून : कंपनी में काम करने वाले कर्मचारियों को कुछ सुविधाएं दी जाती हैं और साथ ही कुछ हिदायत भी दी जाती हैं. अगर कोई उसके नियम-कानून का उल्लंघन करता है तो सजा भी दी जाती है. ये नियम कंपनी खुद तय करती है और कर्मचारी इस पर अपनी सहमति भी देते हैं. आज हम एक ऐसी कंपनी के बारे में बताएं, जो अजीबोगरीब नियम की वजह से चर्चा में है. साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक ये कंपनी चीन के ज़ेजियांग प्रांत में है. 9 जून को इस कंपनी की ओर से ये आदेश जारी किया गया कि यहां काम करने वाले कर्मचारियों का अगर शादी से इतर कोई संबंध पाया गया, तो उन्हें नौकरी से हाथ धोना पड़ जाएगा. जी हां, आपने सही सुना, कंपनी में काम करने की यही शर्त है. कंपनी का ये अजीबोगरीब ऑर्डर हर किसी पर लागू किया जाएगा. कंपनी की ओर से बताया गया है कि ये संस्था के आंतरिक प्रबंधन को मजबूत करने के लिए बनाया गया नियम है. कॉर्पोरेट कल्चर में कर्मचारी का परिवार के लिए वफादार होना, पति-पत्नी में प्यार होना और परिवार को सुरक्षित रखते हुए काम पर ध्यान लगाना ज़रूरी है. जो कर्मचारी शादीशुदा हैं, उनके एक्स्ट्रामैरिटल अफेयर पर कंपनी ने रोक लगाई है. अगर कोई इस नियम को तोड़ता दिखा, तो उसे निकाल दिया जाएगा. कर्मचारियों को 4 चीज़ों से मनाही है – अनैतिक रिश्ता, पार्टनर से अलग कोई शख्स, विवाहेत्तर संबंध और तलाक. कंपनी का कहना है कि एक अच्छा और सुलझा हुआ कर्मचारी ही अपना काम अच्छे से कर सकता है. ये पता नहीं चल रहा है कि आखिर कंपनी ने ये निर्णय क्यों लिया. के वकील शेन डॉन्ग के मुताबिक कंपनी सिर्फ इस बिनाह पर किसी को नहीं निकाल सकती है कि उसका अफेयर है. सोशल मीडिया पर इस नियम को मिक्स्ड रिएक्शन मिल रहे हैं. कोई इसे सही बता रहा है तो कोई गलत.

माया कॉलेज द्वारा सेलाकुई में चला गया स्वच्छता जागरुकता अभियान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

माया कॉलेज सेलाकुई की प्रबंध निदेशक डॉ तृप्ति जुयाल सेमवाल की मार्गदर्शन में आज सेलाकुई में स्वच्छता जागरुकता अभियान चलाया गया। जिसके तहत कॉलेज के छात्र छात्राओं ने सेलाकुई हाईवे पर स्वच्छता अभियान चलते हुए सफाई की एवम मुख्यतः पॉलिथीन के कचरे को साफ किया। डॉ तृप्ति ने लोगों को सफाई के प्रति जागरुक करते हुए कहा कि सभी को कचरा निस्तारण के लिए उच्च प्रबंध करने चाहिए जिसकी शुरूवात गिले कचरे और सुखे कचरे को अलग अलग रखने से करनी चाहिए।

डॉ तृप्ति ने कहा कि अगर घर से ही सुखा और गीला कचरा अलग कर के आगे भेजा जाए तो उसका निस्तारण आसानी से किया जा सकता है।स्वच्छता जागरुकता अभियान में सभी छात्र छात्राओं ने संस्थान के अध्यापक अधपिकाओ के साथ मिल के सफाई की। सफाई अभियान में संस्थान के वाइस चेयरमैन डॉ आशीष सेमवाल, अतिरिकत निर्देश गौरव तोमर, डीन डॉ मनीष पांडे, डॉ संजय शर्मा, डॉ विक्रम सिंह, डॉ शिवानी जग्गी, दीपा चावला, डॉ मनोज, गार्गी शेखर, हैप्पी नारंग, विन्नी रावल, शिवानी काला, अवंतिका आदि उपस्थित थे।

मौत को मात देकर कैमरे के सामने लौटी सुपरमॉडल, बोलीं, महिलाओं की फिटनेस को लेकर सोच बदलना जरूरी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 21 जून : मौत को मात देकर कैमरे के सामने लौटीं फिटनेस मॉडल और अभिनेत्री श्वेता मेहता जल्दी ही ओटीटी पर नया धमाका करने वाली हैं। 2017 में एमटीवी रोडीज राइजिंग विनर रहीं श्वेता एक न्यूज चैनल पर फिट न्यूज नामक कार्यक्रम की होस्ट भी रह चुकी हैं। साल 2019 में हुए एक एक्सीडेंट में गंभीर रूप से घायल हुई श्वेता ने अपने जीवन को अपना हथियार बनाया और मौत को मात देकर एक बार फिर से ग्लैमर जगत में सक्रिय हो चुकी हैं। श्वेता का बीते दिनों रिलीज एक म्यूजिक वीडियो काफी चर्चा में रहा। लॉस एंजिल्स में नेटफ्लिक्स की सीरीज बीस्ट मास्टर के दूसरे सीजन से दुनिया भर में सुर्खियां बटोरने वाली श्वेता कई फिटनेस प्रतियोगिताओं में देश का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं।

श्वेता कहती हैं, 'मेरा इरादा शुरू से मनोरंजन जगत में महिला किरदारों की पहचान बदलना रहा है। अब भी तमाम निर्देशक महिला कलाकारों को अपनी फिल्मों व सीरीज में सिर्फ एक सजावटी वस्तु की तरह इस्तेमाल करते हैं। समय अब ये पहचान बदलने का है।' श्वेता कहती हैं, 'पहले कास्टिंग डायरेक्टर भी यह मान लेते थे कि अगर मैं फिटनेस बैकग्राउंड से हूं, तो मैं सिर्फ पावर लिफ्टिंग कर सकती हूं और अच्छा एक्टिंग नहीं कर सकती। वे पहले से ही एक माइंडसेट बना लेते हैं और वह बिना मेरा ऑडिशन देखे कि मैं ग्लैमरस रोल्स नहीं कर पाऊंगी। जिम बॉडी जैसी कोई चीज नहीं है, यह फिट बॉडी है।

सबसे जरूरी बात मुझे लगती है कि यह उन लोगों की असुरक्षा है जो फिट नहीं रह सकते, अपनी हेल्थ के बारे में सीरियस नहीं रहते हैं, वही हमेशा दूसरों को नीचा

दिखाने की कोशिश करते हैं।' आमतौर पर अभिनेत्रियों को सबसे ज्यादा डर उनकी खूबसूरती के बिगड़ने का रहता है। इसकी वजह पूछने पर श्वेता मेहता कहती हैं, ' महिलाओं को सबसे ज्यादा इस बात का अंदेशा रहता है कि कहीं कोई ये न कह दे, ओह! अब तो ये मैस्कुलिन दिखती है! लोग ये समझ नहीं पाते हैं कि वेट लिफ्टिंग या एक्सरसाइज करने से हम आदमी नहीं बन जायेंगे। अब के समय में एक्ट्रेसेस एक्शन रोल्स करना चाहती हैं, एक स्ट्रांग कैरेक्टर निभाना चाहती हैं न कि सिर्फ एक्टर्स और झाड़ियों के आगे पीछे घूम के गाना गाना चाहती है। अब समय है कि लोग अपनी सोच को बदलें और आगे बढ़ें।'

देहरादून से कुछ दूरी पर है, गुफाओं का शहर आप भी चले आइये

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 21 जून : देहरादून से महज 86 किमी दूर स्थित यह हिल स्टेशन आपको प्रकृति से सीधा जोड़ देगा। यहां पर अनेक झरने, बुग्याल, प्राकृतिक गुफाएं, शांत वातावरण पर्यटक को अपनी और आकर्षित करते हैं। हम बात कर रहे हैं जनजातीय क्षेत्र जौनसार बावर के चकराता क्षेत्र की। यहां पर ऋषिकेश और मसूरी जितनी भीड़ नहीं है। वहीं चकराता में बहुत से पर्यटन स्थल हैं जहां खूब पर्यटकों का जमावड़ा देखने को मिल रहा है। वहीं इस जगह की सबसे खासबात यह है कि यह अंग्रेजों द्वारा बसाया गया शहर था मगर आलम कुछ यूं है कि इस समय चकराता में अंग्रेजों की एंट्री पर प्रतिबंध है। जी हां, यहां पर विदेशी पर्यटकों की नो एंट्री है और केवल भारतीय , पर्यटक ही यहां के नैसर्गिक सुंदरता का और पर्यटक स्थलों का आनंद ले सकते हैं।

नैनीताल-मसूरी के बाद पर्यटकों को चकराता खूब भा रहा है। जौनसार-बावर का प्रमुख नगर या कहें मुख्यालय चकराता, यह ब्रिटिश काल में बसाया गया महत्वपूर्ण कैंट है। चकराता उत्तराखंड के उन चंद बेहद खूबसूरत क्षेत्रों में से है, जो अपनी नैसर्गिक सुंदरता के साथ ही अपनी लोक परंपराओं और संस्कृति के कारण देश-दुनिया को अपनी ओर खींचते हैं।

समुद्र तल से 2118 मीटर की ऊंचाई पर यमुना और टोंस नदी के बीच चकराता 1866 में बसाया गया था। ब्रिटिश सरकार ने 1869 में इसे कैंट बोर्ड के अधीन किया। चकराता में स्थित झील-झरने और सुंदर वादियां देश के अलग-अलग हिस्सों में रहे लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचती हैं। यही नहीं, विदेश में भी रहने वाले लोग इस गांव की यात्रा करना चाहते हैं, लेकिन वे इसकी सुंदरता को निहार नहीं पाते हैं।मगर भारतीय नागरिकों के लिए यह जगह किसी स्वर्ग से कम नहीं है।

यहां आप टाइगर फाल, देववन, खडंबा, मुंडाली, कोटी कनासर, मोइला टाप, बुधेर गुफा, चिंता हरण महादेव, सनराइज प्वाइंट,चिरमिरी टाप रहने को होटल, रिसार्ट व होम स्टे की सुविधा है। तो समय निकाल कर आप अपने परिवार वालों और दोस्तों के साथ यहां ज़रूर आएं।

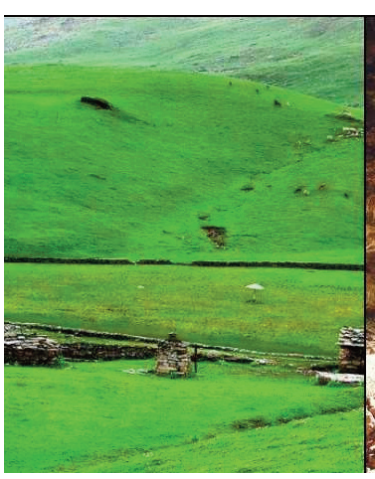

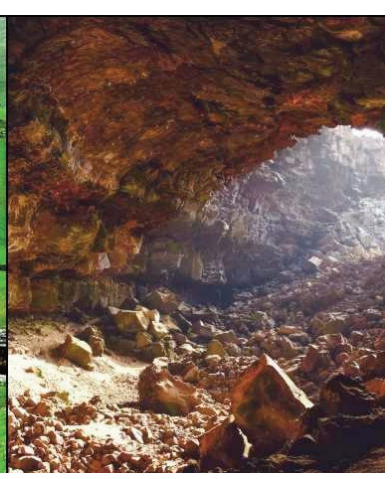

योग दिवस विशेष : हर इंसान को जरूर करना चाहिए ये योगासन, रहेंगे फिट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 21 जून , योग से होने वाले लाभ से लोगों को जागरुक करने के उद्देश्य से हर वर्ष 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाता हैं। आज के दौर में बदलती लाइफस्टाइल, खान-पान और व्यस्तता की वजह से शारीरिक श्रम और एक्सरसाइज के लिए समय की कमी और तनाव के कारण लोग नई बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। इन समस्याओं से निपटने और निजात पाने के लिए योग एक विश्वसनीय, कारगर और सुलभ उपाय है। योग शरीर और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है। योग के नियमित अभ्यास से कई रोगों से बचाव होता है और बीमारियों के लक्षण कम किए जा सकते हैं।

ये योगासन असरदार

अगर आप पहली बार योग कर रहे हैं तो आपको कुछ खास योगासनों के बारे में पता होना चाहिए। ये योगासन असरदार हैं, जो हर उम्र के लोग, चाहें महिला और पुरुष कर सकते हैं। आइए जानते हैं योगासनों के बारे में।

1. गोमुखासन

गोमुखासन का अभ्यास हाई ब्लड प्रेशर की शिकायत, कंधों की जकड़न, रीढ़ को लंबा करने, गलत पोजीशन को ठीक करने, तनाव व चिंता कम करने और पीठ की मसल्स को मजबूत बनाने में असरदार है।

2. सर्वांगासन

इस आसन के अभ्यास से ब्लड सर्कुलेशन नियंत्रित रहता है, हेल्दी थायरॉयड ग्रंथि को बनाए रखता है। कब्ज की शिकायत दूर होती है, बालों का झड़ना कम करता है, तनाव स्तर को कम करता है। नींद की गुणवत्ता में सुधार करता है। वजन को काबू करने के साथ ही स्वस्थ हार्मोनल संतुलन को बढ़ावा देता है।

3. अधोमुख श्वानासन

आपको अधोमुख श्वानासन का अभ्यास नियमित करना चाहिए। इस आसन के अभ्यास से सिरदर्द, अनिद्रा, पीठ दर्द और थकान से राहत मिलती है। बाजुओं और टांगों को मजबूत बनाने, कंधों पिंडली और बाजुओं में खिचाव लाने में मदद मिलती है। पाचन क्रिया में सुधार के लिए यह योगासन असरदार है।

4. अनुलोम-विलोम प्राणायाम

आसन के साथ ही प्राणायाम भी लाभदायी है। योगी को नियमित अनुलोम विलोम प्राणायाम का अभ्यास करना चाहिए। अनुलोम विलोम प्राणायाम के अभ्यास से सिरदर्द/माइग्रेन से राहत मिलती है। नींद की गुणवत्ता में सुधार, अवसाद, तनाव और चिंता दूर करने के साथ ही अस्थमा, ब्रोंकाइटिस जैसे श्वसन विकारों के इलाज में इसका नियमित अभ्यास करना उपयोगी है।

5. कपालभाति प्राणायाम

मेटाबॉलिज्म प्रक्रिया को बेहतर बनाने, वजन कम करने, शरीर की सभी नाड़ियों को शुद्ध करने, पेट की मांसपेशियों को मजबूत बनाने में कपालभाति प्राणायाम असरदार है। इस प्राणायाम के अभ्यास से शरीर में रक्त का परिसंचरण सही रहता है और चेहरे पर चमक बढ़ती है।

संपादकीय

'गांधी' सम्मान पर सियासत

यदि आज भारत सांस्कृतिक पहचान और सनातन समृद्धि का राष्ट्र है, तो पुराण, उपनिषद्, भगवद्गीता, रामायण और रामचरितमानस आदि महान ग्रंथों की बदौलत है। इन प्राचीन महाकाव्यात्मक ग्रंथों में समूची भारतीय सभ्यता, संस्कृति, आध्यात्मिकता का समावेश है। उनकी व्याख्याएं हैं। ये हमारे सनातन धर्म और आस्थाओं के प्रतीक-ग्रंथ हैं। यदि गोरखपुर की 'गीता प्रेस' के प्रयास न होते, तो हमारी सांस्कृतिक, सनातनी धरोहरें न जाने किन अंधेरों में खो जातीं। अपनी स्थापना के 100 वर्षों के दौरान 'गीता प्रेस' ने व्यापक शोध कराए हैं। ग्रंथों के आस्था-सूत्रों के संकलन किए हैं। उनकी सरल व्याख्याओं के साथ भावार्थ भी दिए हैं। इस संस्थान ने कई भाष्य भी तैयार कराए हैं। 100 करोड़ से अधिक प्रतियां छापने का भगीरथ, रचनात्मक कर्म लगातार जारी है, लिहाजा 'गीता प्रेस' आधुनिक कालखंड में एक संस्कृति-पुंज की तरह है। उसे राजनीतिक, वैचारिक, सामाजिक और व्यक्तिगत विवादों के कीचड़ में धकेला नहीं जा सकता। जिस संस्थान ने अपने कार्य-क्षेत्र और कार्यशैली में पवित्रता, शुचिता, ईमानदारी का साक्षात पालन किया है, जिसने महात्मा गांधी की सोच और उनके आग्रह का 'उपदेश' या 'पुनीत परामर्श' के तौर पर सदैव पालन किया है, वह गांधी-विरोधी कैसे हो सकता है? जिस गांधी ने 'गीता प्रेस' की कालजयी पत्रिका 'कल्याण' के प्रथम अंक में आलेख लिखा था और फिर न जाने कितनी बार ऐसा रचनात्मक योगदान दिया होगा, वे गांधी-विरोधी कैसे करार दिए जा सकते हैं? दरअसल कांग्रेस की वैचारिक मेधा संकीर्ण और सीमित हो गई है। हर मुद्दा उसे 'नफरती' लगता है। हर विषय पर उसे कोसना ही है। तथ्यों से कोई वास्ता नहीं है, लिहाजा 'गीता प्रेस' को 2021 का 'गांधी शांति पुरस्कार' देने की घोषणा की गई, तो कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने तुरंत ट्वीट किया-'यह सावरकर और नाथूराम गोडसे को सम्मानित करने जैसा है।' क्या कांग्रेस ने 'गीता प्रेस' को भी 'सांप्रदायिक' मान लिया है? 'गीता प्रेस' किस कोण से सावरकर और गोडसे करार दी जा रही है? हम इस नालायक तुलना की व्याख्या नहीं करेंगे, लेकिन दुनिया जानती है कि 'गीता प्रेस' का कितना आध्यात्मिक योगदान है? वह किसी पार्टी या नेता अथवा विचारधारा की 'बपौती' नहीं है। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय का 'गांधी शांति पुरस्कार' डेसमंड टुटू, नेल्सन मंडेला, जॉन ह्यूम, फिशर, शेख मुजीबुर्रहमान सरीखी अंतरराष्ट्रीय हस्तियों समेत इसरो, रामकृष्ण मिशन, एकल अभियान ट्रस्ट, अक्षय पात्र, सुलभ इंटरनेशनल सरीखे भारतीय संस्थानों, संगठनों को भी दिया जा चुका है। राष्ट्रीयता, जाति, नस्ल, लिंग आदि सब बेमानी हैं।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

प्रदेशभर में 26 जून को वर्ल्ड एन्टी ड्रग्स डे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 21 जून , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बड़ा एलान करते हुए कहा है कि प्रदेश में नकल कानून की तरह ड्रग्स माफिया को जड़ से समाप्त करने के लिए कड़े से कड़े कानून को लाने की जरूरत पड़ी तो, यह भी लाया जा सकता है। सीएम धामी ने उत्तराखण्ड में नशे की सप्लाई चैन तोड़ने के लिए पुलिस विभाग को नशे का व्यापार करने वाले अपराधियों व ड्रग्स माफिया पर ताबड़तोड़. कार्यवाही के निर्देश दिए हैं।

सीएम ने आगामी 26 जून को वर्ल्ड एन्टी ड्रग्स डे के अवसर पर प्रदेशभर के युवाओं के एण्टी ड्रग ई प्लज के आंकड़े को 55300 से बढ़ाकर नया रिकॉड बनाने का लक्ष्य पुलिस विभाग को दिया है। उन्होंने कहा कि योग दिवस की भांति ही आगामी 26 जून को राज्यभर में वर्ल्ड एन्टी ड्रग्स डे मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री धामी ने सचिव स्वास्थ्य को निर्देश दिए कि राज्य में नशा मुक्ति केन्द्रों की स्थापना, संचालन, उपचार एवं चिकित्सकों की व्यवस्था हेतु स्पष्ट गाइडलाइन्स एवं वर्किंग प्लान को जल्द से जल्द कार्यान्वित करने में आ रही बाधाओं के समाधान हेतु मुख्यमंत्री स्तर पर सीधा सम्पर्क किया जाए।

नारकोटिक्स कन्ट्रोल ब्यूरों के डिप्टी डायरेक्टर जनरल ज्ञानेश्वर सिंह ने जानकारी दी कि उत्तराखण्ड में वर्ष 2022 में 238 किलोग्राम चरस, 30 किलोग्राम डोडा, 12 किलोग्राम अफीम, 19.11 किलोग्राम स्मैक, 1.57 किलोग्राम हिरोइन, 1232.55 किलोग्राम गांजा, 105390 कैप्सूलस, 17506 इंजेक्शन, 32110 टैब्लेट्स सीज की गई। इसके साथ ही वर्ष 2022 में 141.5 एकड़ भांग तथा 108.5 भांग की फसल नष्ट की गई। इस वर्ष मई 2023 तक तक एनडीपीएस एक्ट के तहत 586 केस रजिस्टर्ड हो चुके हैं जिनमें 742 आरोपी गिरफतार हो चुके हैं। समाज कल्याण विभाग उत्तराखण्ड द्वारा जानकारी दी गई कि एडीक्शन ट्रीटमेंट फैसिलिटी (एटीएफ) हेतु भारत सरकार द्वारा श्रीनगर, उत्तरकाशी, चम्पावत एवं अल्मोड़ा का चयन किया गया है।

हिमालयी राज्यों के लिए आदर्श बनेगा चंपावत : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 21 जून , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि मॉडल जिले के रूप में विकसित किया जा रहा चंपावत न केवल उत्तराखण्ड के लिए बल्कि सभी हिमालयी राज्यों के लिए एक आदर्श बनेगा। चंपावत के विकास के लिए किए जा रहे इनोवेटिव प्रोजेक्टस देश के सभी पर्वतीय राज्यों और जिलों के लिए गाईड-लाईन का काम करेंगी। चंपावत जिलें को मॉडल जिले के रूप में विकसित करने में लगे जिला प्रशासन के साथ ही सभी सम्बन्धित स्टेकहोल्डर्स को मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इस सम्बन्ध में अभी तक हुए डॉक्यूमेन्टेशन को शत प्रतिशत धरातल पर उतारा जाए तथा इसकी निरन्तर निगरानी की जाय।मुख्यमंत्री ने सचिवालय में मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार कार्यालय भारत सरकार के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में जनपद चम्पावत को ₹आदर्श जनपद चम्पावत₹ के रूप में विकसित किये जाने हेतु किये गये कार्यों की समीक्षा एवं आगामी कार्यक्रमों के संबंध में अयोजित बैठक में प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार कार्यालय भारत सरकार के प्रतिनिधियों द्वारा चंपावत में जाकर तैयार की गई चंपावत की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप विकास की संभावना, साइंस एवं टेक्नोलॉजी के आधार पर विकास की संरचना पर अधारित Climate Adaptive Agriculture पुस्तिका का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने चंपावत की विभिन्न भौगोलिक स्थिति पर आधारित ऑनलाइन डैशबोर्ड, जनपद चंपावत के अंतर्गत चल रही विभिन्न विभागीय योजनाओं की प्रगति पर आधारित ऑनलाइन डैशबोर्ड का अवलोकन किया। उन्होंने कहा इस तरह के ऑनलाइन डैशबोर्ड उत्तराखंड राज्य में बड़े स्तर पर भी विकसित किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार कार्यालय से आए प्रतिनिधियों द्वारा चंपावत में जाकर किए गए कार्य, निश्चित ही चंपावत एवं उत्तराखंड के विकास में अपनी अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा विभिन्न भौगोलिक परिस्थितियों से परिपूर्ण चंपावत जिले के अनुरूप ही राज्य का विकास किया जाएगा। आगामी समय में चंपावत जिले के अंतर्गत कई बड़े प्रोजेक्ट को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू करने की योजना है।

महानिदेशक UCOST प्रो. दुर्गेश पंत ने बताया कि चंपावत जिले में साइंस सेंटर की स्थापना की जाएगी। इसके साथ ही संपूर्ण हिमालय राज्यों के लिए हिमालय नॉलेज कॉरिडोर को भी विकसित किया जा रहा है। उन्होंने बताया यूकोस्ट निरंतर प्रत्येक विभागों के साथ समन्वय कर विकास योजनाओं को आगे बढ़ाने का काम कर रहा है। प्रत्येक योजना का डॉक्यूमेंटेशन भी किया जा रहा है। इस दौरान कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, प्रमुख सचिव आर. के सुधांशु, अतिरिक्त सचिव प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार कार्यालय डॉ प्रीति बेजल, राहुल नायर, प्रो. आर.एम पंत, कुलपति, असम केन्द्रीय विश्वविद्यालय, वी.सी के माध्यम से जिलाधिकारी चंपावत नरेंद्र सिंह भंडारी एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

पुलिस ई-बीट एप से प्रदेश की जनता को मिली सुविधाये, जानिए क्या क्या मिलेगा फायदा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 21 जून , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्मार्ट पुलिसिंग के विजन को साकार करने और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के विकास की धारा को समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने और सरलीकरण, समाधान व निस्तारण पर फोकस किए जाने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उत्तराखंड पुलिस ने सीसीटीएनएस प्रोजेक्ट के तहत अब प्रदेश में ई-बीट एप और सीईआईआर सेवा की शुरुआत हो गयी है।

आपको बता दें कि आम जनता को पुलिस से संबंधित विभिन्न सुविधाएं आसानी से प्रदान करने और कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से ई-बीट एप को तैयार किया गया है। इस ऐप के माध्यम से विभिन्न बीट में कार्य कर रहे कांस्टेबलों और पुलिस अधिकारियों को अपना कार्य आसानी से पूर्ण करने में सहायता मिलेगी साथ ही वे बिना पुलिस स्टेशन आए थाने में बैठे अधिकारियों को आपराधिक और अन्य गतिविधियों की जानकारी प्रेषित कर सकेंगे। बीट कांस्टेबल अपनी बीट में स्थित मंदिरों, स्कूलों, अस्पतालों आदि के बारे में भी सूचनाएं और सामान्य जानकारी एकत्रित कर ऐप पर दिखा सकते हैं, जिन्हें अन्य लोग देख सकते हैं। इस ऐप का उपयोग कर पुलिस मोबाइल के माध्यम से ही नागरिकों को विभिन्न मामलों में आसानी से सत्यापन की सुविधा मिल सकेगी।

पुलिस कर्मचारी सीसीटीएनएस के लॉगिन आईडी और पासवर्ड के माध्यम से इसमें लॉग इन कर सकते हैं। ई-बीट ऐप एक सुरक्षित और शीघ्रातिशीघ्र पुलिस से संपर्क करने का एक आसान माध्यम है। इसी प्रकार यदि किसी का फोन चोरी या गुम हो जाता है और व्यक्ति इसकी रिपोर्ट करता है तो सीईआइआर की मदद से फोन को ब्लॉक किया जा सकता है ताकि इसका गलत उपयोग न हो। यदि कोई व्यक्ति सिम कार्ड बदल के भी फोन का उपयोग करना चाहेगा तो यह संभव नहीं हो पाएगा। सीईआईआर मोबाइल के आईएम-ईआई डेटाबेस पर और मोबाइल फोन निर्माता कंपनियों व टेलीकॉम ऑपरेटर के साथ मिलकर काम करता है। पुलिस ने अपने सीसीटीएनएस (क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम्स) को सीईआईआर (सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर) के साथ इंटीग्रेट करने की प्रोसेस शुरू कर दी है, जिससे खोए या चोरी हुए मोबाइल फोन की समस्या का समाधान होगा और उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा की जा सकेगी।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि पुलिस का यह ई-बीट ऐप और सीईआईआर सेवा स्मार्ट पुलिसिंग के प्रधानमंत्री के विजन को साकार करने में सहायक सिद्ध होगी।

छुटमलपुर : नीट परीक्षा पास करने वाले क्षेत्र के बच्चों को अंजुमन हिमालय ए इस्लाम द्वारा किया सम्मानित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

छुटमलपुर 21 जून : क्षेत्र के बच्चों ने नीट परीक्षा पास कर क्षेत्र का नाम रोशन किया। इस उपलक्ष में अंजुमन हिमालय ए इस्लाम संस्था ने बच्चों की हौसला अफजाई के लिए नगर पंचायत कार्यालय के मीटिंग हॉल में कार्यक्रम आयोजित किया। आजम मलिक, आसिफ मलिक* जुवेरिया महक मलिक, शिवम जैन विद्यार्थियों ने अच्छे मार्क्स प्राप्त का एमबीबीएस डॉक्टर बनने का सपना पूरा किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पंचायत चेयरमैन शमा परवीन ने की संचालन मुफ्ती अताउर्ररहमान कासमी,व मौलाना खालिद नदवी संयुक्त रूप से की । मुख्य अतिथि उप जिलाधिकारी दीपक कुमार द्वारा बच्चों को सम्मान पत्र व फूल माला से सम्मानित किया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में उपस्थित एच पी इंटर कॉलेज के प्रबंधक राजकुमार पुंडीर व प्रधानाचार्य धर्मेंद्र कुमार,ई ओ छुटमलपुर आलोक रंजन उपस्थित रहे। प्रधानाचार्य धर्मेंद्र कुमार ने बच्चों को बधाई देते हुए कहा कि नीट की परीक्षा पास करना बहुत बड़ी बात है।जिसमें एक बच्चा ए एच पी इंटर से भी इंट-रमीडिएट की पढ़ाई पूरी किया। उप जिलाधिकारी दीपक कुमार ने बच्चों के भविष्य की शुभकामनाएं की और कहा है कि कोई भी परीक्षा कठिन नहीं है अगर उस परीक्षा को पास करने के लिए मन में दृढ़ संकल्प लिया जाए। वे आगामी पर्व को लेकर क्षेत्रवासियों को शुभ-कामनाएं दी व कहा कि मिलजुल कर हमें त्यौहार मनाये व साफ सफाई का विशेष ध्यान रखना है। अंजुमन हिमालय ए इस्लाम के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुफ्ती अताउर्र रहमान कासमी ने बच्चों के भविष्य की कामना और कहा कि शिक्षा तरक्की के रास्ते खोलता है। संस्था के सेक्रेटरी मौलाना खालिद नदवी ने कहा कसभासद गण इन बच्चों ने क्षेत्र का नाम रोशन किया है। आने वाले समय में यह बच्चे और बच्चों के प्रेरणादायी बनेगे। और प्रोग्राम में आने वाले मेहमानों का शुक्रिया अदा किया। इस प्रोग्राम में नगर पंचायत चेयरमैन प्रतिनिधि रिजवान अली, हसीन मिर्जा, अमजद मलिक गंदेवड़ा, छुटमलपुर के सभासद गण अंकुर सैनी,कारी नौशाद,रजाउर्र रहमान,उस्मान, हाजी फजलुर रहमान नानकवी, मौलाना नावेद, मौलाना हारून, कारी आशीष धीमान सभासद बानो सभासद मंगल सिंह सुमित कंमबोज एहसान रिजवान सुनार इमरान प्रधान डॉक्टर मंसूब अली फहीम शेख भूरान भाई साजिद ,वसीम ,आदि लोग मौजूद रहे ।